**ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE**
**24, AKBAR ROAD, NEW DELHI**
**COMMUNICATION DEPARTMENT**

**Highlights** **23 October, 2020**

**Shri Rahul Gandhi addressed a massive public meeting at Hisua, Nawada, Bihar today.**

**श्री राहुल गांधी ने विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि** तेजस्वी यादव जी, मदन मोहन झा जी, शक्ति सिंह गोहिल जी, तारिक अनवर जी, अखिलेश प्रताप सिंह जी, सुबोधकांत सहाय जी, अजय कपूर जी, देवेन्द्र यादव जी, महेन्द्र यादव जी, कैंडिडेट्स नीतू कुमारी जी, मंतन सिंह जी, विभा देवी जी, प्रकाश वीर जी, भाइयों और बहनों, प्यारे कार्यकर्ताओं, प्रेस के हमारे मित्रों, आप सबका यहाँ बहुत-बहुत स्वागत, नमस्कार।

जनसभा से सीधा संवाद करते हुए श्री राहुल गांधी ने कहा - कैसे हैं आप लोग ? अच्छे हैं? नीतीश जी की सरकार कैसी लगी आपको? मोदी जी के भाषण कैसे लगे? अच्छे लगे? (जनसभा ने एक स्वर में कहा- नहीं, नहीं), उन्होंने कहा कि बिहार के जो हमारे सैनिक शहीद हुए, उनके सामने प्रधानमंत्री अपना सिर झुकाते हैं, नरेन्द्र मोदी जी ने कहा। पूरा देश बिहार के शहीदों के सामने सिर झुकाता है। मगर सवाल ये नहीं है, सवाल सिर झुकाने का नहीं है, सवाल दूसरा है, जब बिहार के युवा सैनिक शहीद हुए, उस दिन हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री ने क्या कहा और क्या किया? सवाल वो है।

लद्दाख मैं गया हूं, लद्दाख में हिंदुस्तान की सीमा है और उस सीमा पर बिहार के, उत्तर प्रदेश के, बाकी प्रदेशों के युवा अपना खून- अपना पसीना देकर हिंदुस्तान की सीमा रेखा, भारत की जमीन की रक्षा करते हैं। लद्दाख में ऐसी जगह है, जहाँ -20, -25, -30 डिग्री सैल्सियस का टेंपरेचर है। ऐसी जगह हैं, जहाँ हमारे सैनिकों को 10-15 दिन पोस्ट तक पहुंचने के लिए चलना पड़ता है। सियाचिन में हमारे युवा कड़ी ठंड को सहन करते हैं, मगर वापस नहीं आते, भूखे रह लेते है, वापस नहीं आते, उन्होंने आजादी के दिन के बाद से हिंदुस्तान की सीमा की रक्षा की है।

**सवाल ये है कि जब चीन की सेना ने हमारे 20 सैनिकों को शहीद किया और हमारी जमीन ली, भाइयों और बहनों 1200 किलोमीटर हिंदुस्तान की जमीन चीन ने ली है। चीन की सेना हिंदुस्तान की सीमा के अंदर है। सवाल ये है कि जब चीनी हमारी जमीन के अंदर आए, तो हमारे प्रधानमंत्री ने हमारे वीरों का अपमान करते हुए ये क्यों बोला कि हिंदुस्तान के अंदर कोई नहीं आया? सवाल भाइयों और बहनों ये है। वे आज कहते हैं- मैं सिर झुकाता हूं, मगर हिंदुस्तान की सेना का अपमान नरेन्द्र मोदी जी ने किया, जब उन्होंने देश को झूठ बोला कि चीन का कोई भी सैनिक हिंदुस्तान के अंदर नहीं आया।**

**सवाल ये है नरेन्द्र मोदी जी, ये चीन के सैनिक जो हिंदुस्तान के अंदर बैठे हैं, इनको आप बाहर कब निकालेंगे, सवाल ये है। आप सिर झुकाने की बात मत कीजिए, आप हमारे वीर सैनिकों को ये बताइए कि चीन को आप हिंदुस्तान के बाहर कब फैंकेंगे, ये बताइए और यहाँ आकर उल्टे-सीधे झूठ मत बोलिए।**

यहाँ बिहार के लोगों को झूठ मत बोलिए, बिहार के लोगों को आप ये समझाइए कि आपने उनको रोज़गार कितना दिया और कब? पिछले चुनाव में बोला था 2 करोड़ युवाओं को रोज़गार दूंगा, मिला, किसी को मिला – (भीड़ ने कहा- नहीं) जीरो। आते हैं, कहते हैं किसानों के सामने मैं सिर झुकाता हूं, सेना के सामने मैं सिर झुकाता हूं, मज़दूरों के सामने मैं सिर झुकाता हूं, छोटे व्यापारियों के सामने मैं सिर झुकाता हूं और घर जाते हैं और अंबानी, अडानी का काम करते हैं। भाषण आपको देंगे, सिर झुकाएंगे आपके सामने, मगर जब काम करने का समय आएगा, तब फिर काम किसी और का करेंगे।

नोट बंदी की, फायदा हुआ आपको? (भीड़ ने कहा- नहीं) आप बैंक के सामने खड़े हुए ना, ऐसी धूप में खड़े थे ना आप, बारीश में खड़े थे ना, आपने अपना पैसा बैंक में डाला, डाला, ठीक है। पैसा कहाँ गया? आपका पैसा कहाँ गया? हिंदुस्तान के सबसे अमीर लोगों की जेब में, अंदर। आपसे कहा था काले धन के खिलाफ लड़ाई, क्या अडानी जी बैंक के सामने खड़े थे क्या? अंबानी जी बैंक के सामने खड़े दिखे आपको, नहीं, वो एसी कमरे में। आपका पैसा छीना और उनका कर्जा माफ किया।

हमारी सरकार थी, 70 हजार करोड़ रुपए किसानों का कर्जा माफ किया था, पंजाब में हमारी सरकार, पंजाब में किसानों का कर्जा माफ किया, मध्यप्रदेश में सरकार बनी, मध्यप्रदेश में कर्जा माफ किया, छत्तीसगढ़ में कर्जा माफ किया। वे नोट बंदी पर नहीं रुके, उसके बाद जीएसटी लागू किया, सब छोटे व्यापारियों को खत्म कर दिया, किसके लिए, हिंदुस्तान के सबसे अमीर लोगों के लिए। भाइयों और बहनों, आप समझो रास्ता साफ किया जा रहा है, अंबानी और अडानी के लिए नरेन्द्र मोदी जी रास्ता साफ कर रहे हैं, किसानों को, मज़दूरों को परे कर रहे हैं, छोटे दुकानदारों को परे कर रहे हैं। आने वाले समय में आपका पूरा का पूरा धन हिंदुस्तान के दो-तीन पूँजीपतियों के हाथ में हो जाएगा। आपसे आपके खेत छीन लिए जाएंगे और इनके हाथ में चले जाएंगे।

तीन नए कानून बनाए, किसानों पर आक्रमण करने के तीन नए कानून बनाए। बिहार में ये इन्होंने पहले कर दिया था, अब ये पूरे देश में कर रहे हैं। यहाँ पर इन्होंने मंडी खत्म की, एमएसपी खत्म की, अब ये पूरे देश में मंडियों को, एमएसपी को खत्म कर रहे हैं। लाखों लोगों को बेरोज़गार करने जा रहे हैं और जहाँ भी जाते हैं, आपसे झूठ बोलते हैं - हिंदुस्तान की जमीन किसी ने नहीं ली, लाखों लोगों को मैंने रोज़गार दिया। किसानों के साथ प्रधानमंत्री हूं, खड़ा हूं, मगर काम सिर्फ उन दोनों लोगों का होता है। एयरपोर्ट, रेलवे लाइन, आपके खेत, माईन्स, जो भी उनको चाहिए नरेन्द्र मोदी जी देते हैं। आप लोग देखते रह जाते हैं।

**अब आपके हाथ में चाबी है, अब नरेन्द्र मोदी जी के हाथ में, नीतीश जी के हाथ में चाबी नहीं है, अब चाबी आपके हाथ में है, जो निर्णय आप लेंगे, वो बिहार में होने जा रहा है और अब इनको हराना है।**

**बिहार के लिए, बिहार के विकास की सरकार, बिहार के किसानों की, मज़दूरों की सरकार, अब बिहार में लानी है।**

कोरोना हुआ, नरेन्द्र मोदी जी ने कहा 22 दिन में लड़ाई जीती जाएगी। बिहार के सब मज़दूरों को दिल्ली से बाकी प्रदेशों से भगा कर बिहार भेजा, जब आप पैदल आए, जब आप पैदल आ रहे थे, जब आप भूखे थे, जब आप प्यासे थे, तो नरेन्द्र मोदी जी क्या कह रहे थे ? **नरेन्द्र मोदी जी ने आपकी मदद की, बिहार के मज़दूरों की मदद की? मज़दूरों के सामने सिर झुकाते हैं, मगर जब समय आता है, तो मदद नहीं करते। आप भूखे-प्यासे मरे, आप हजारों-किलोमीटर चले, नरेन्द्र मोदी जी ने आपको ट्रेन नहीं दी, बस नहीं दी। नरेन्द्र मोदी जी ने आपसे कहा- भूखे हो तो क्या हुआ, प्यासे हो तो क्या हुआ, हजारों किलोमीटर चलो, मर जाओ, पीस जाओ, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। ये सच्चाई है भाइयों और बहनों।**

**सच्चाई आपको पहचाननी पड़ेगी, क्योंकि जब आप सच्चाई पहचानोगे तभी ये देश- प्रदेश आगे बढ़ेगा और मुझे पूरा भरोसा है कि इस बार बिहार सच्चाई को पहचानने जा रहा है, इस बार बिहार नरेन्द्र मोदी जी को, नीतीश कुमार को जवाब देने जा रहा है। सही जवाब इस बार मिलेगा नरेन्द्र मोदी जी को।**

आप दूर-दूर से आए, इसके लिए आप सबका बहुत-बहुत धन्यवाद। कांग्रेस पार्टी और गठबंधन के हमारे जो कैंडिडेट्स हैं, उनका पूरा समर्थन कीजिए, उनको जिताइए और बिहार में एक नई सरकार लाइए।

नमस्कार, जय हिंद।

**Sd/-**
**(Dr Vineet Punia)**
**Secretary**
**Communication Deptt.**
**AICC**